My Experience

CHITRAULI WILDLIFE CAMP (NAINITAL)

On 30th May'98 the 12 prefects escorted by Principal Sir, Mrs Madhu Wal and two teachers went for camping to Chitrauli.

The journey was uneventful till Nainintal, but the camping site was situated in the midst of a dense forest and while driving to the edge of the forest in a jeep we encountered a leopard. The majestic cat, with all its feline grace halted in our way for a few moments before leaping across the wall and disappearing into the woods. What a thrilling experience it was.

We walked a distance of 1km on foot to reach the camp and we were, as if transported into a totally different world there. The serene peacefulness and the haunting quiet of that area was only disturbed by the crackling of a bonfire around which we sat with our teachers and Principal singing songs and narrating jokes and experiences. After a sumptuous dinner we snuggled into our tents and chatted till slumber stole upon us.

Next morning our guides escorted us down a thickly forested path to a most amazing waterfall in a glen.

We bathed in the chilled water shaking off the fatigue of the strenuous walk. On our walk back to the camp we stopped to savour the scenic beauty enroute and for photography sessions.

On our way back to School we got to spend two hours at Nainital. It was a very enjoyable trip.

A VISIT TO JIM CORBETT PARK

The name of Jim Corbett conjures up images of the tiger, tusker, deer and of-course a wide variety of birds roaming freely in a thick dense forest. So we were naturally thrilled when we boarded the bus early in the morning for Kumaria Resort where arrangements for our stay were made. The journey offers breathtaking scenic beauty as the road winds down passing through sleepy hamlets, green fields, and each turn opens a new vista.

Finally we reached our destination and subsequently we went down to the banks of a bubbling river to have a refreshing bath.

The next item in the itinerary was the visit to the Corbett Museum. The Museum, though a small one, offers a lot of information about the man in whose name this park was renamed in 1933 as Corbett National Park. It was originally established in 1936 as the Hailey National Park after Sir Malcolm Hailey the governor of the United Provinces.

A lot of exhibits have been housed in one museum like the stuffed tigers encased in glass boxes, a fine job done by texidermist. There is a special section of photographs of animals in action which naturally attracts one's attention, We then went to see the temple of Garjiya Devi. It is a wonder work of nature as the temple is built on

the top of the spire shaped hill which has been sculpted by the strong current of river Kosi. Then we headed for the other entrance to the Corbett National Park known as Aamdanda Gate. Here the open jeeps are available for the safari inside the park. We were given instruction not to make noise and throw wrappers and empty bottles inside the park and then started our thrilling safari.

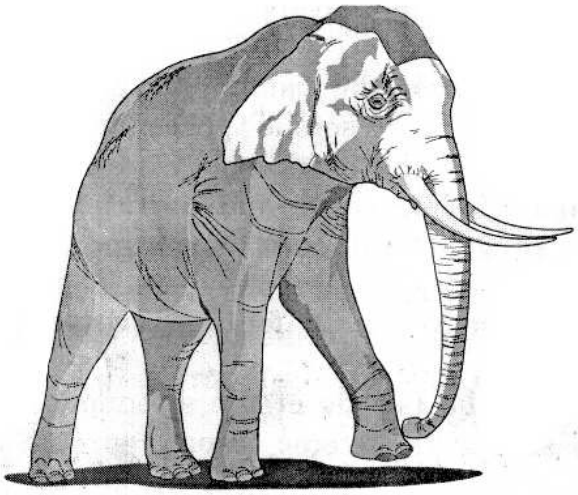

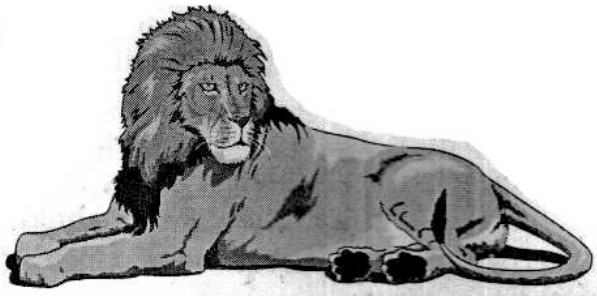

It was difficult to distinguish the path from dry rivers which ran through the dense forest of Teakwood, Sagon and Sesham and the undergrowth was also very thick. Then all of a sudden we came across a forest clearing, rich with tall grass and there we spotted herd of spotted deer as if posing for a photograph. As we moved ahead we heard a shrill call, which was unmistakably that of the peacock and soon we saw a pair of peacocks strutting away with their long plumage. We were told by our guide that this park boasts of a wide variety of birds. The most common among them are the black patridge, dove, bee eater, lark, and warbler. As sunset was nearing which is an appropriate time of watching the animals as they come out of their hideouts, the silent woods suddenly burst into a symphony of winged wonders. As it was the month of April perhaps the best time to visit the park, we were lucky enough to have a glimpse of elephants and tigers.

This month was the flowering and nesting time for the birds. We returned to the resort. Then a campfire was organised and we had a session of music and dance. This was followed by dinner and then we retired to our respective rooms.

Next day we went for a river bath. It was lovely weather for such a thing. Under the burning sun the river gurgled with crystal clear water and nothing could be more desirable than a splash in the cool waters of Kosi. The time of departure was coming closer. We packed our luggage, put it in the bus and began our journey back to School. One only wishes that the duration of the visit to Corbett Park could be longer because the Park is the largest in India and if one wants to really see the animals one really has to spend time.

sandeep mehrotra

Kya Life me Aisa Chamatkar Bhi Hota Hai

(Three monkeys (Gandhiji) movies are also try to made from the inspiration of his comics)

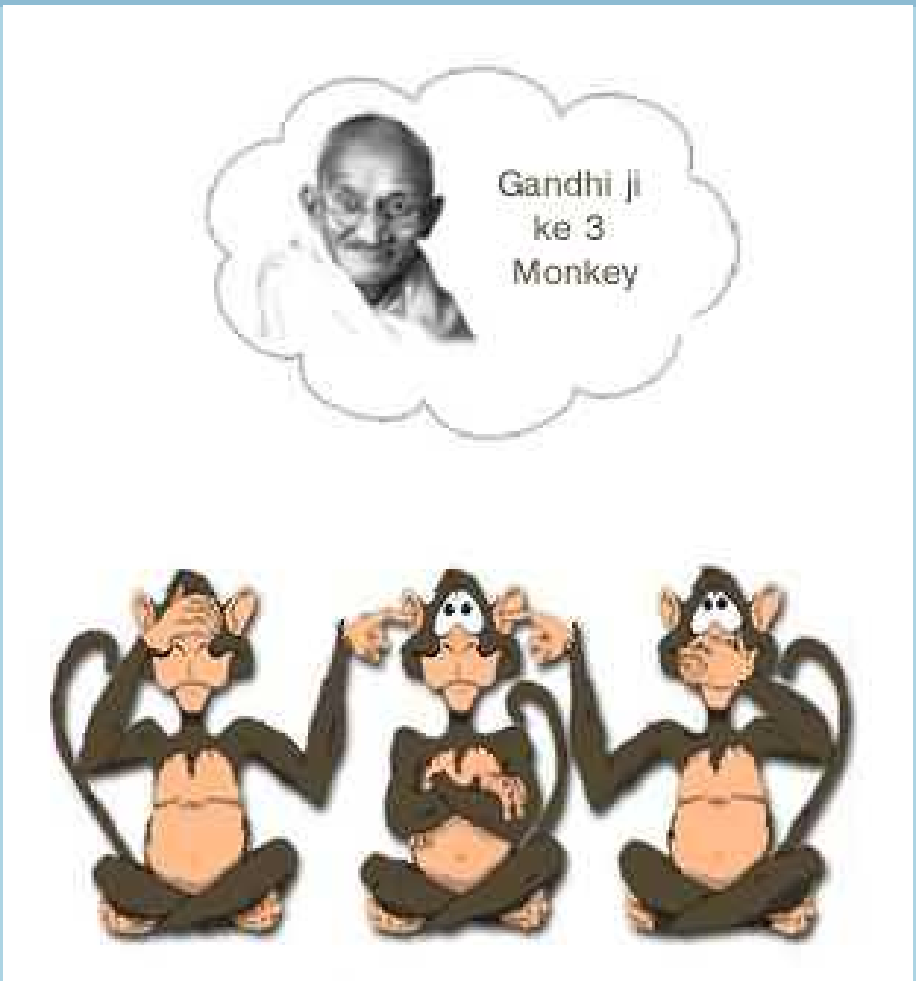

sandeep mehrotra

गांधी जी के बारे में कौन नहीं जानता है सिर्फ आप गाँधी जी ही कहें तो उनके बारे में सब कुछ आटोमेटिक दिमाग में आ जाता है। गांधी जी हमारे देश के ऐसे पुरूष हैं जिनको राष्ट्रपिता कहा गया है। यह उपाधि तो हमारे देश के बड़े–बड़े योद्धा को भी नहीं दी गई होगी। न हाथ में बन्दूक न हाथ में तलवार सिर्फ एक डण्डा उसके सहारे उन्होंने अपनी हर यात्रा की, गांधी कभी-कभी तो सपना लगता है कि गांधी जी ने यह सब कैसे कर दिया? इतनी अंग्रेज सेना को सिर्फ शांति और सत्य को मार्ग चलकर हमारे देश को आजादी दिलायी। गांधी जी के पास ऐसी कौन-सी शक्ति थी यह तो आज तक किसी को भी समझ में नहीं आया है व कार्य करना मुमकिन नहीं बल्कि नामुमकिन है। यह तो सब जानते हैं कि गांधी जी कैसे थे, कौन थे, और वह कहाँ से आये थे, यह सब तो हर एक को पता है लेकिन आप ने कभी यह सोचा कि उनके अन्दर और भी कितने सारे गुण थे, आप देखते थे, उनको महसूस करते थे, लेकिन आपने कभी यह सोचा, अगर गांधी जी महात्मा गांधी नहीं होते तो वह क्या होते? आपने देखा होगा कि गांधी जी हमेशा अपने हाथ में एक डण्डा रखते थे वह कहीं भी जाते थे, अपने साथ एक डण्डा जरूर ले जाते थे

कमी आपने गौर किया यह आदत किसे मिलती है, अभी भी आप नहीं समझे, मैं किसकी ओर इशारा कर रहा हूँ चलिए मैं आपको बताता हूँ कि हमारे सबके प्रिय हवलदार, हमारे हवलदार साहब जी हमेशा अपने पास डण्डा रखते हैं, वह कहीं भी जाते हैं अपने साथ अपना डण्डा जरूर रखते हैं। इसलिए अगर गांधी जी महात्मा गांधी नहीं होते तो वह हवलदार साहब होते।

अब आप हमारे हवलदार साहब को तो जानते ही हैं जहाँ पर भी उनकी ड्यूटी लगा दी जाती है, वह वहाँ जाकर आराम से जाकर बैठ जाते हैं। फिर क्या कहने हमारे हवलदार साहब के बस इधर–उधर देखना और आराम से बैठ कर गप–शप लड़ा देना। फिर कोई बड़ा आफिसर आता है तो फौरन खड़े होकर सलाम मारना, अगर हमारे गांधी जी भी हवलदार होते तो यही सब उनको भी करना पड़ता, गांधी जी के सर पर एक टोपी होती, हाथ में एक डण्डा, शरीर पर एक बर्दी, जहाँ पर भी जिसके ऊपर रूआब दिखाना होता, वहाँ पर एक डण्डा दिखाकर रूआब दिखाते। अगर ऐसा होता तो आप अपने मन में सोचिए।

अगर गांधी जी महात्मा गांधी जी नहीं होते तो क्या होते? आपको मालूम है कि गांधी जी को लिखने का भी बहुत शौक

था, जब भी उन्हें खाली समय मिलता था, वह कुछ न कुछ लिखते जरूर थे, कभी कविता तो कभी कहानी, ये सभी गुण में एक गुण यह भी था कि वह एक अच्छे लेखक भी थे। अगर वह महात्मा गांधी जी नहीं होते तो एक महान लेखक होते। क्या वह रामधारी सिंह दिनकर तुलसीदास और कितने ही महान लेखक हमारे देश में हुए क्या गांधी जी का नाम भी इन्ही महान लेखक में एक होता। मेरा मानना है कि अगर ऐसा होता तो जरूर वह एक महान लेखक होते । हमारे देश पर गांधी जी पर कितनी किताबें हैं, पर उसका लेखक कोई और है, अगर गांधी जी लेखक होते तो उन सभी किताबों में लेखक का नाम गांधी जी का ही होता।

अगर गांधी जी महात्मा गांधी नहीं होते तो क्या होते, वह बड़े ही शान्ति धार्मिक पुरूष थे, उन्होंने अपने जीवन में हमेशा सत्य का साथ दिया, मेरा मानना है कि वह साधू या सन्त होते। फिर क्या उनका नाम श्री मोहन बाबा होता? या श्री सन्त मोहन बाबू होता। उन्हें धार्मिक गाना लिखने का भी शौक था जैसे रघुपति राघव राजाराम पतित पावन सीता राम।

जैसे हमारे साधु सन्त हमेशा हमें अच्छी बातें सिखाते हैं जैसे सत्य का साथ दो, किसी के साथ बुरा मत करो, किसी को कोई कष्ट मत दो, हमेशा सब की अच्छाई करो, इन्सान वही है जो इन्सान के लिये मरे। क्या सही है क्या गलत है। हमेशा उसके बारे में ज्ञान देना गांधी जी ने अपना पूरा जीवन लोगों को यही सब सिखाया। जो एक साधु या सन्त में गुण होता है, वह गांधी जी में भी था। तो अगर वह गांधी जी नहीं होते तो वह जरूर साधु या सन्त होते और हमको ज्ञान का पाठ पढ़ाकर सत्य और असत्य का ज्ञान दे रहें होते, अगर गांधी जी साधु होते तो ऐसे देखने में होते तो गांधी जी कितने अलग से देखने में लगते।

यह सब गुण उनके अन्दर काफी प्रमुख थे, जिनको उन्होंने अपने जीवन में हमेशा उतारा इसलिए उनका नाम बापू, महात्मा गांधी जैसा पड़ा लेकिन और भी उनके अन्दर काफी गुण थे जैसे वह वकील थे, जिसकी डिग्री उन्होंने साउथ अफ्रीका में प्राप्त करी। लेकिन कभी भी उन्होंने वकालत नहीं करी।

कमेडियन, गांधी जी को सभी लोग पसंद करते थे वह बच्चा हो या बुढ़ा या हिन्दु, मुस्लिम, सिख, ईसाई अंग्रेज सभी

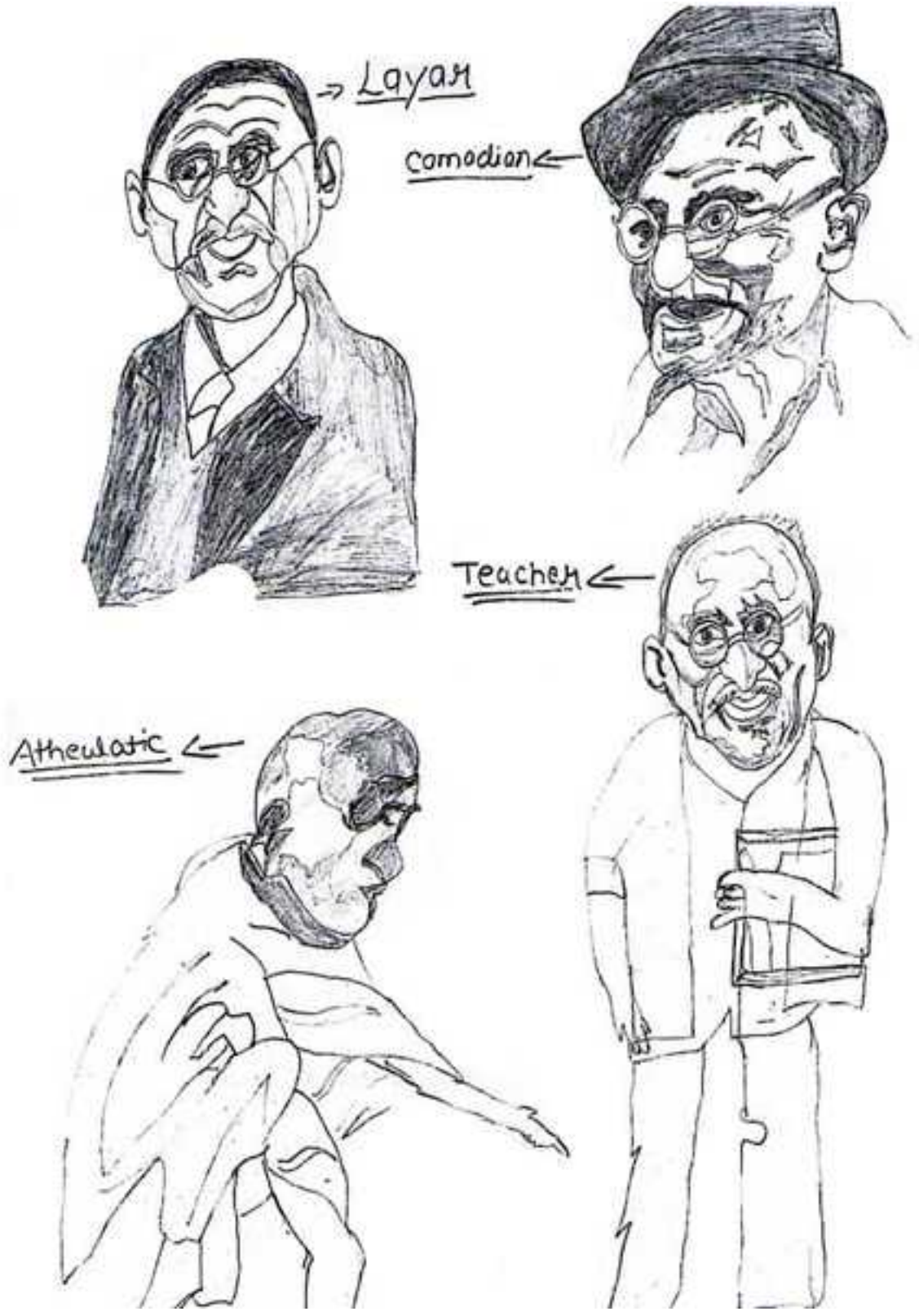
Layar
comodion
Teacher
Atheulatic

लोगों को गांधी जी बहुत प्रिय थे क्योंकि गांधी जी का हर तरीका एक कमेडियन जैसा था। उनका रहने का ढंग, उनका बोलने का ढंग, उनका हंसने का ढंग, एक कमेडियन जैसा था। इसलिए हर कोई उनको पसन्द करता था।

अध्यापक– गांधी जी अगर महात्मा गांधी नहीं होते तो वह एक शिक्षक होते क्योंकि उन्होंने अपने जीवन में हर एक को ज्ञान का पाठ पढ़ाया। सबको सिखाया सही क्या है, और गलत क्या है, तुम्हारे जीवन का क्या लक्ष्य है, तुम अपने जीवन में किस प्रकार आगे बढ़कर एक अच्छे इन्सान कैसे बन सकते हों कोई भी कार्य कल के लिए मत छोड़ो जो करो अभी करो इसी क्षण करो, आप सोचिए यह सब बातें हमको कौन सिखाता है-हमारे शिक्षक, जब हम विद्यालय जाते हैं तो हम यही सब बाते सीखते हैं तो गांधी जी एक अच्छे शिक्षक भी हो सकते थे।

एथेलेटिक– आपको पता है कि गांधी जी कितने ही जोर से चलते थे, जब वह चलते थे तो वह सब से आगे होते थे, और बाकी तो सभी लोग पीछे होते थे। अगर गांधी जी ओलम्पिक में भाग लेते तो पूरा संसार पीछे होता और वह सबसे आगे होते हमें अब ओलम्पिक में गोल्ड मेडल मिल रहा है। मुझे लगता है

कि हम लोगों को आज से 100 साल पहले ही ओलम्पिक में गोल्ड मेडल मिल चुका होता ।

यह सब टेलेन्ट होते हुए भी उन्होंने इसको अपना बिजनेस नहीं बनाया। उस समय भारत अंग्रेजों का गुलाम था, अंग्रेज हिन्दुस्तान के ऊपर काफी जुल्म कर रहे थे तब उन्होंने अपने आपको कहा कि मिस्टर गाँधी तुम मल्टी टेलेन्टेड जरूर हो पर इस समय तुम्हारी भारत को बहुत जरूरत है। तुम अपने सब शौक भूलकर भारत की आजादी की लड़ाई में लग जाओ अब गाँधी जी का सिर्फ एक ही लक्ष्य था कि मन में है विश्वास कि एक दिन हम होंगे कामयाब, जब वह साउथ अफ्रीका से हिन्दुस्तान आए सिर्फ उनके मन में केवल एक ही प्रश्न उठ रहा था कि अब कैसे मैं हिन्दुस्तान को आजादी दिलाऊ। फिर उन्होंने भारत को एक भारत करने की कोशिश करी। एक साथ आगे बढ़ने की कोशिश करी उनकी कोशिश कामयाब हो गई जब वह चलते थे तो उनके साथ कितने ही लोग उनके साथ कन्धे पर कन्धा मिलाकर एक साथ आगे बढ़ते थे और अंग्रेजों को दिखाते थे कि देखों हम एक नहीं पर अनेक है। तुम हम पर जुल्म करते हो, अत्याचार करते हो, तुम हमें कमजोर मत समझना एक दिन

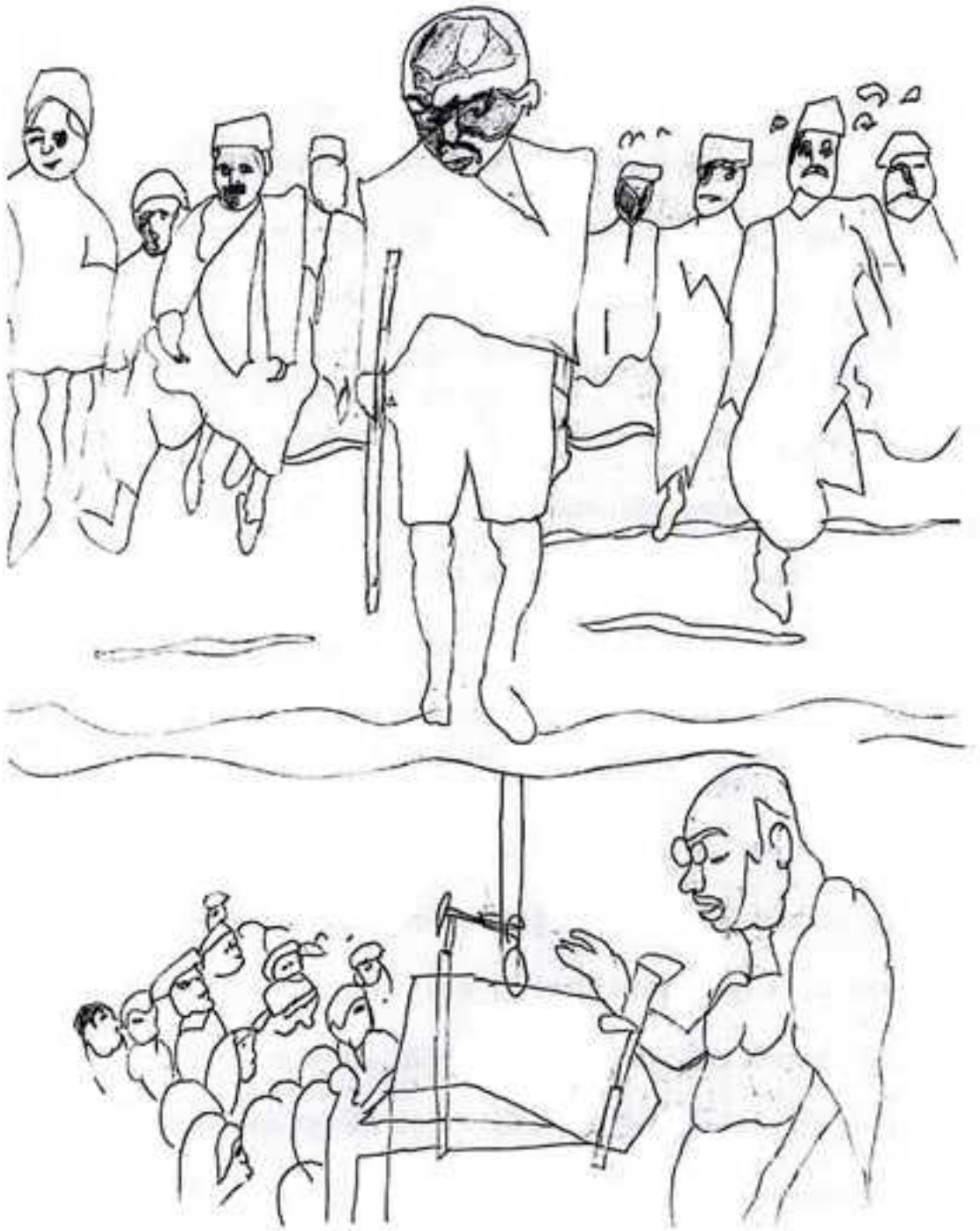

पूरे हिन्दुस्तान की एक ऐसी आवाज उठेगी, जिसे पूरा अंग्रेज शासन तहस नहस हो जायेगा। फिर हिन्दुस्तान को आजादी मिल जायेगी।

फिर दिन पर दिन अंग्रेजों के जुल्म बढ़ते ही जा रहे थे। बच्चा, बुढ़ा, जवान, जो भी हो अंग्रेजों के जुल्म का शिकार हो रहा था। हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई हर एक को एक दूसरे के प्रति भड़का रहे थे, दिन पर दिन एक दूसरे के प्रति शोषण बढ़ता ही जा रहा था,। फिर गाँधी जी ने अपने मन में सोचा कि अब बहुत हो गया। अतः उन्होनें एक नारा लगाया अंग्रेजों अब भारत छोड़ो।

फिर उन्होंने एक भाषण दिया, उनका यह भाषण ऐसा भाषण था, जिसे लाखों लोग जुड़ते चले गये उन्होंने अपने भाषण में कहा-कि यह अग्रेंज बहुत बूरे हैं यह हिन्दुस्तान में अब रहने लायक नहीं है अब इनको हिन्दुस्तान को छोड़ना ही होगा अब यह हिन्दुस्तान में रहने लायक नहीं है। अब बहुत हो गया अब इनका हिन्दुस्तान छोंड़ना ही होगा, यह भाषण एक ऐसा भाषण था, इस भाषण की गुंज पर हर एक के अन्दर ऐसा असर हुआ । यह

भाषण सुनकर हर एक चाहता था कि अब हिन्दुस्तान आजाद होना ही चाहिए।

फिर गाँधी जी हर एक के सामने से निकालते हुए कहने लगे कि अंग्रेजों भारत छोड़ों, यह नारा ऐसा नारा था जहाँ से भी गाँधी जी निकलते थे, वहाँ से हर एक जुड़ता चला गया। फिर धीरे–धीरे उनके साथ लाखों करोड़ों लोग इस नारे में जुड़ चुके थे, ऐसा होने से अंग्रेज शासन की ऐसी की तैसी हो गयी अब वह एक दिन आगया जब अंग्रेजों को भारत छोड़ना ही पड़ा फिर अंग्रेज भारत को छोड़कर चले ही गए।

फिर हर एक के अन्दर एक नया–सा उत्साह आ गया, आजादी दिलाने के लिए अब अच्छे एहसास होने लगा कि अब हम आजाद हो गये हैं, अब जो चाहे वैसा कर सकते हैं। अब हमें छोटी–छोटी गलतियों में कोई भी सजा नहीं देगा, हर एक झूम रहा था, नाच रहा था।

फिर एक सभा होती है जिसमें फिर गाँधी जी भाषण देते हैं कि "हमारे भारत को सोने की चिड़िया कहा जाता है पर ये अंग्रेज सोना जरूर ले गये हैं पर चिड़िया नहीं हमें फिर इस चिड़िया को सोने की बनाना है।" फिर गाँधी जी को फूलों की

माला पहनाकर उन्हें सम्मानित किया जाता है। फिर गाँधी जी हर एक से कहते हैं-हम सब आजाद हो गये हैं, कहते ही वह आगे बढ़ने लगते हैं। फिर उन्हें गोली लग जाती है, ! हे राम ! कहकर वह जमीन पर गिर पड़ते हैं ऐसा होने पर जो हर एक को आजादी मिलने पर खुशी हो रही थी। अब हर जगह शोक का माहौल हो जाता है यह खबर सुनकर पूरा देश चकित रह जाता है। कि अब गाँधी जी नहीं है तो अब हिन्दुस्तान में कभी खुशी कभी गम जैसा माहौल हो चुका था। एक तरफ लोगों में आजादी की खुशी थी, और दूसरी तरफ गाँधी जी की मरने का दुख था कि हम जिन्दा होते हुए भी मरे जैसें लग रहे थे । लेकिन आजादी दिलाने के बाद भी हमें आगे भी गाँधीजी से काफी उम्मीदे थी कि कैसे हमारा कल्याण करेंगे, विकास करेंगे, लेकिन यह सब आशा निराशा में बदल गयी। फिर जवाहर लाल नेहरू हमारे पहले प्रधानमंत्री बने और उन्होंने पूरे देश को सम्भाल लिया। मैं लेखक सन्दीप यह जो सब मैनें आपको बताया यह तो हर एक जानता है ऐसा सब कुछ हुआ था आज आजादी मिले करीब 66 वर्ष हो गये हैं, इन 66 वर्ष में सिर्फ आप इतना ही जानते हैं कि गाँधी जी के तीन बन्दर थे–जो हमको इशारे से अब

गांधी जी के तीन बन्दर

बुरा मत बोलो

बुरा मत सुनो

बुरा मत देखो

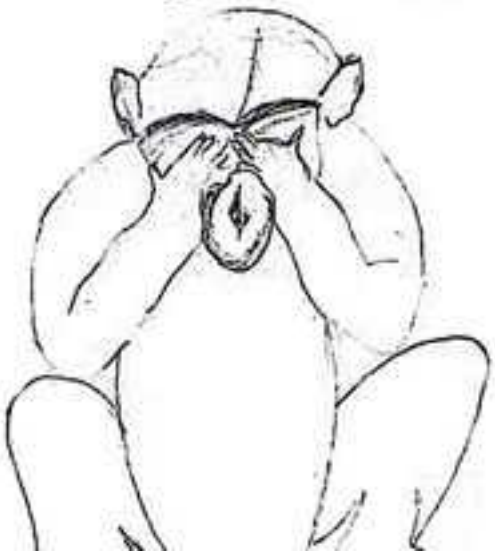

तक बता रहे हैं कि "बुरा मत बोलो", "बुरा मत सुनो", "बुरा मत देखो"। आपको गाँधी जी के बन्दरों के बारे में सिर्फ इतना ही मालूम है कि 42 आज मैं आपको गाँधी जी के बन्दरों के बारे में पूरी कहानी बताऊंगा। आखिर गाँधी जी मरने के बाद गाँधी जी के बन्दरों का क्या हुआ? एक दिन की बात है उस समय अखबारों और रेडियों में गाँधी जी की मरने की खबर छायी हुई थी । एकदम से आंधी आती है और एक अखबार का पन्ना उड़कर एक जगह जाकर गिर जाता है फिर एक बन्दर आता है उस अखबार में देखता है कि गाँधी जी की तस्वीर जो है वह मरे हुये की है, यह देखकर वह चौंक जाता है।

फिर वह दूसरे बन्दर को कान में सब कुछ बताता है। फिर वह आपस में कहते हैं कि यह क्या हो गया? अब गाँधी जी नहीं है यह नहीं हो सकता अगर गाँधी जी नहीं होंगें, तो अब हमारा क्या होगा? अब हमें कौन शिक्षा देगा? अब हमें कौन खाना देगा? अब हमारी कौन देखभाल करेगा? नहीं यह नहीं हो सकता फिर वह तीनों बन्दर गाँधी जी के घर में जाते हैं, और वहाँ यह देखेते है कि सभी लोग काफी दुखी है और रो रहे हैं। फिर उनको विश्वास हो जाता है कि गाँधी जी अब हमारे बीच में नहीं हैं।

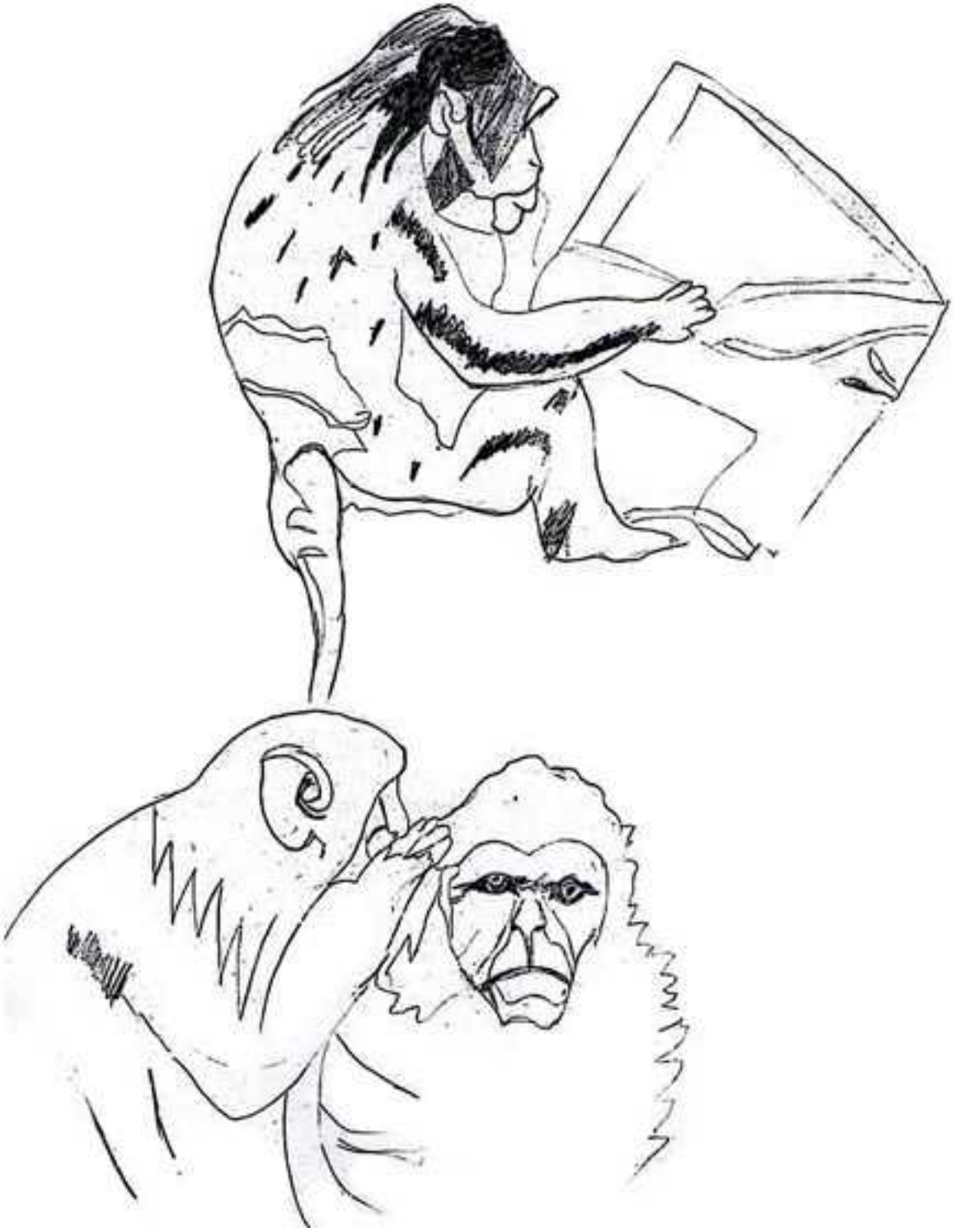

फिर वह बन्दर यह सोचते हैं कि यह इन्सान होते हुए भी कितने दुखी हैं लेकिन हम लोग तो बन्दर हैं अब कौन है जो हमारी देखभाल करेगा अब कौन हमें खाना देगा अब कैसे हमारा जीवन आगे बढ़ेगा, फिर वह तीनों बन्दर एक जगह जाकर बैठ जाते हैं बुरा मत बोलों, बुरा मत देखों, बुरा मत सुनों फिर वह उसी तरीके से बैठकर खुब रोते हैं, और आपस में कहते हैं, कि आखिर अब हमारा क्या होगा? गांधी जी आप क्यों चले गए, आप अपने साथ हमको क्यों नहीं ले गए, यह सब बाते गांधी जी स्वर्ग से देख रहे थे। गांधी जी को भी बड़ा दुख होता है कि आजादी के बाद यह जितने भी इन्सान हैं जैसे तैसे अपना जीवन बीता लेंगे पर मेरे इन तीन बन्दरों का कौन ध्यान रखेगा। मैंने बहुत बड़ी गलती कर दी, मैंने किसी को भी इन बन्दरों के बारे में किसी को भी बताया नहीं, जो भी इनको देखेगा वह इन्हें बन्दर ही कहेगा, किसी इन्सान के पास आने पर वह इन्हें दुतकारेगा, मारेगा, काश मैं इन बन्दरों के बारे में अपने परिवार वालों को बता सकता। यह देखकर गांधी जी की आंखों में आंसु आ जाते है

प्रस्तावना

Kya Life Me Aisa Bhi Hota Hai

Three Boys and One Girl and Nainital express

यह दोनों कहानी शाहरूख खान और अमिताभ बच्चन को लेकर लिखी गयी है अब तक इन दोनों को लेकर दो फिल्में बन चुकी है। **(1)** कभी खुशी कभी गम, **(2)** मोहब्बतें, कभी खुशी कभी गम में आपने देखा कि शाहरूख खान इन दोनों में बाप बेटे का रिश्ता निभाया फिर वह किसी कारण से एक–दूसरे से अलग हो जाते हैं फिर वह पूरी फिल्म में एक–दूसरे से अलग होकर अपनी दुरियों को महसूस करते हैं। मोहब्बते में यह दोनों जन प्रधानाचार्य और विद्यार्थी का रिश्ता निभाते हैं फिर से किसी कारण से वह दोनों अलग–अलग हो जाते हैं लेकिन एक **Contract Sign** करने के बाद वह दोनों एक दम पास आ जाते हैं फिर वह दोनों अपनी दुश्मनी को दिखाते हैं, अब बारी आती है मेरी लिखी हुई फिल्म की, मेरी फिल्म में भी यह दोनों है, पर एक–दूसरे के दुश्मन नहीं है, एक छोटी–सी बात होने के कारण से एक–दूसरे से अलग भी नहीं होते हैं यह दोनों बहुत अच्छे दोस्त है **Three Boys & One Girl** में चार बच्चों के कारण से यह दोनों फिल्म स्टार अपना सब कुछ खो देते हैं उन दोनों के जीवन में एक ऐसी मुसीबत आ जाती है जो अब तक किसी भी मनुष्य के जीवन में नहीं आई होगी, फिर भी वह दोनों एक–दूसरे का साथ देकर इन मुसीबतों का हल खोज कर अपना सब कुछ फिर से प्राप्त कर लेते हैं।

2. Nainital Express यह कहानी नैनिताल से जिमकार्बेट पार्क की है किस प्रकार यह दोनों फिल्म स्टार नैनिताल से जिमकार्बेट पार्क तक घुमने जाते हैं घुमते समय कुछ

पुरानी यादें, याद करते हैं कुछ समय काम–काज से दुर एक एकान्त महसूस करते हैं लेकिन उन्हें नहीं पता था, घुमते समय उनके जीवन में एक ऐसी घटना घट जातीी है, जिनको वह सपने में भी नहीं सोच सकते थे। यह घटना भी आज तक किसी भी मनुष्य के जीवन में नहीं हुई होगी लेकिन यह दोनों फिल्म स्टार अपनी हिम्मत और साहस से इस मुसीबत से दूर हो जाते हैं अतः आप के दिमाग में एक ही प्रश्न आ रहा होगा कि आखिर कौन–सी ऐसी घटना हुई होगी जो आज तक किसी भी मनुष्य के जीवन में नहीं घटित हुई होगी अब आपको यह पता करने के लिये मेरी **Book (Kya Life Me Aisa Bhi Hota hai)** को पढ़नी होगी। आप लोगों से निवेदन है कि आप इस किताब को पढ़ने के बाद मुझको यह जरूर बतायें कि यह दो फिल्में शाहरूख खान और अमिताभ की आई है, इससें मेरी कहानी कितनी अच्छी है इसको बताने के लिये मैं आपका बड़ा ही आभारी रहूँगा। **Who is best?**

Amir Khan Movies

जैसे आप जानते हैं कि हमारे फिल्म के डायरेक्टर राज कुमार हिरानी ने आमिर खान के साथ दो फिल्में बनाई है – **(1) Three Ideat (2) P.K.** यह दोनों फिल्में बाक्स आफिस में सुपरहिट हुई है। डायरेक्टर राज कुमार हिरानी फिल्म तो अच्छी बनाते हैं पर कहानी अच्छी नहीं लिख पाते हैं क्योंकि जब वह फिल्म बनाते हैं उनकी कहानी पहले से ही किसी लेखक ने लिखी हुई होती है मैंने भी एक फिल्म की कहानी लिखी है वह फिल्म है आमिर खान के ऊपर **Kya Life Me Aisa Chamatkar Hota Hai (Gandhi Ji 3 Monkey)** इस फिल्म में मैंने भी आमिर खान को अनेक रूप में दिखाया है जिसकें प्रमुख है – **(1) Student (ii) Inspector (iii) Killer** यह कहानी एक–दम अलम सी

है मुझे लगता है कि इस कहानी से कोई दूसरी कहानी से तुलना नहीं कर पाएगा किस तरह से वह एक पागल इन्सान से **Police Inspector** बनते हैं लेकिन देश के खराब कानून और सिस्टम होने के कारण से वह एक कातिल बन जाते हैं अब आपके मन में एक ही प्रश्न उठ रहा होगा कि आखिर इस कहानी में क्या–क्या अजीब–अजीब सा हुआ होगा। मैंने अपनी बनाई हुई इमेज को भी डाउनलोड किया है, देर मत करिए अब आप बुक खरीद कर रोचक कहानी का आनन्द लीजिए, लेकिन मुझे बताना मत भुलियेगा कि **Who is best?**

Chetan Bhagat Book

आजकल चेतन भगत बुक की कहानियों पर फिल्में बन रही है, फिल्म बनने के बाद काफी सफल भी हो रही है यह एक लेखक के लिए अच्छी बात है कि उनकी लिखी हुई कहानियों में फिल्म बनने लगी है मैं संदीप मेहरोत्रा मैं भी एक लेखक हूँ जब यह सब हो रहा था, तब मैंने सोचा, क्यों न मैं भी एक किताब लिखुं लेकिन यह किताब साधारण लिखी हुई न हो, पर उस किताब में फिल्म की तरह हास्यकर, संदेशप्रद और कल्पनाओं से परिपूर्ण जैसे महत्वपूर्ण गुण हैं। किसी प्रकाशक या कोई कम्पनी के बिना मदद से मैंने एक किताब बनाई, जिसको पढ़ते समय आप को ऐसा लगेगा कि आप कोई फिल्म देखने का महसूस कर रहे हो या कोई Comics पढ़ रहे हो या Image को देखकर आपको महसूस होगा कि क्या Image है तथा आप को पढ़ते समय महसूस होगा कि सच में लेखक ने जो भी इस किताब में कहा है वह तो बिल्कुल ही सच है फिर आप सोचने लगेंगे कि Kya Life Me Aisa Bhi Hota Hai यह सभी महत्वपूर्ण चीजें आपको मेरी किताब में देखने को मिलेगी अगर एक ही किताब में आपको यह सभी महत्वपूर्ण चीजें चाहते हैं तो जल्द ही आप इस बुक को खरीदे लेकिन एक बात जरूर कहना चाहूंगा कि इस किताब को पढ़ने के बाद आप मुझे जरूर बताइगा कि चेतन भगत की किताब अच्छी लगी या मेरी बनाई हुई किताब Who is Best?

INTRODUCTION

Kya Life Me Aisa Bhi Hota Hai

Three Boys and One Girl and Nainital Express

Both these stories have been written for Shahrukh Khan and Amitabh Bachhan. Two films have been made on them so far.

(1) Kabhi Khushi Kabhi Gham

(2) Mohabbaten

In 'Kabhi Khushi Kabhi Gham', you saw that Shahrukh Khan played the role of father son in both the films. Then for certain reason both of them get separated from each-other and they, later on, realize their separation from each-other in the whole film. In 'Mohabbaten' both play the role of Principal and Student. Again for certain reason both get separated from each other but after signing a contract they come very close to each-other. Then they show their enmity. Now it the turn for my written film, both are in my film too, but are not hostiles to each-other. Thy do not get separated from each-other over a petty cause. They are good friends.

In 'Three Boys and one Girl', on account of four children both the film stars lose their everything. A trouble come sin their lives, which might not have come into the life of anybody, even then they cooperate each-other and thus get their everything by finding out the solution of these problems.

2. **Nainital Express** : This story is of from Nainital to Zimcorbat Park. How these both film stars go on tour from Nainital to Zimcorbat Park. While making tour they happen to remember some old memories. For some time apart from assignments, they feel solitary, but they did not know that while roaming such an event took place, as they could not have thought even in the dream. This event must not have occurred in the life of anyone till today, but both these stars overcome this trouble by their Courage. So now only one question might be arising in your minds that after all which such incident must have taken place as never occurred in the life of none.

Now to know this thing, you will have to read my book (Kya Life Me Aisa Bhi Hota Hai). You are requested to please do tell me after reading this

book that how much my story is better than these two films of Shahrukh Khan and Amitabh Bachchan. I shall remain grateful to you for telling it. Who is best?

AMIR KHAN MOVIES

As you know that our film's director 'Raj Kumar Hirani' has made two films with Amir Khan:-

(1) Three Idiot (2) P.K.

Both the films have become superhit in box office, Director Raj Kumar Hirani does make the film good but can not write good story because when he makes film, his story has already been written by a certain writer. I, too, have written the story of a film. That film is over Amir Khan (Kya Life Me Aisa Chamatkar Hota Hai), (Gandhi Ji 3 Monkey). In this film I have also shown Amir khan in various forms, Main of them are :- (1) Student (2) Inspector (2) Killer. This story is quite different. I think that nobody will be able to compare this story with another story. How does he become a Police Inspector from a mad person, but on account of failure law and order and erroneous system, he becomes a murderer.

Now only a single question must be raising in your mind that after all what peculiar things must have happened. I have downloaded the image made by myself. Do not delay. Now buy the book and have pleasure of interesting story, but do not forget to let me know that who is best?

CHETAN BHAGAT BOOK

These days films are being made on stories of Chetan Bhagat Book. The films after having been made, are getting success. It is a good thing for a writer that film has begun to be made on the stories written by him. I am also a writer in Sandeep Mehrotra when all these things were going on, I thought, “Why should I not write a book”, but this book should not be written ordinarily, but in that book there should be important things such as humorous, educate and comics full of imaginations like film. I wrote a book without any support of a publisher or of any company. While reading this book you will feel as if you are seeing a film or reading a comics or seeing the image you will realize, what an image this is? At the time of reading, you will feel that, of course, whatever the

writer has mentioned in the book is exactly true. Then you will think that “kya Life Me Asia Bhi Hota Hai’. All these important things will be available in my book for you to see. If you want all these important things in a single book, then soon purchase this book, but I would like to say one thing, please do tell me after reading this book, whether you like the book of Chetan Bhagat or the book written by me Who is Best?